ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟ ମୁକ୍ତ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ, ସମ୍ବଲପୁର, ଓଡ଼ିଶା
Odisha State Open University, Sambalpur, Odisha
Established by an Act of Government of Odisha.

ओड़ीशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय
संबलपुर, ओड़िशा

स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

Bachelor in Hindi

Semester – 01
(B.A.H.D.)

सत्रीय कार्य

Assignment

[प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें]

निर्देश

प्रिय विद्यार्थी ,

ओड़ीशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के स्नातक (सम्मान) कार्यक्रम में आपका स्वागत हैं ।

उपर्युक्त कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा मे सम्मिलित होने से पूर्व अपेक्षित है कि आप हर पाठ्यक्रम (course) हेतु नियत सत्रीय कार्य की प्रश्नावली का समुचित उत्तर लिखकर अपनी उत्तर पुस्तिका अपने अध्ययन केंद्र में नियत तिथि के अंदर जमा कर दें, बिना सत्रीय कार्य पूर्ण किए आप सत्रांत परीक्षा के लिए अयोग्य माने जाएंगे। परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए कुल (सत्रांत परीक्षा + सत्रीय कार्य) मिलकर 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने अनिवार्य हैं। सत्रीय कार्य में अनुत्तीर्ण होने अथवा समय पर सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जमा ना करने की स्थिति में आपको अगले सत्र में उस नए सत्र और पिछले सत्र का सत्रीय कार्य भी जमा होगा।

सत्रीय कार्य का महत्त्व

1. प्रत्येक सत्रीय कार्य 100 अंको का है और इसमें दिए गए प्रश्न निर्धारित खंडों के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। इसमें प्राप्त अंकों का 20 प्रतिशत सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों से जुड़कर आपको बड़ी सफलता दिलाने में सहायक साबित होगा।
2. सत्रीय कार्य के अंकों के 20 प्रतिशत और सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों के 80 प्रतिशत को मिलाकर इस पाठ्यक्रम में आपकी सामग्रिक उपलब्धि का मूल्यांकन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम व सत्रीय कार्य प्रश्नावली की रूप - रेखा

कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध बी.ए. कार्यक्रम के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का अवलोकन करें।
बी.ए. कार्यक्रम के इस पर्याय (semester) में निर्धारित पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं –

बी.ए.एच.डी. कोर कोर्स – 1 (BAHD CC – 1)	: 6 क्रेडिट के लिए 2 प्रश्नपत्र
बी.ए.एच.डी. कोर कोर्स – 2 (BAHD CC – 2)	: 6 क्रेडिट के लिए 2 प्रश्नपत्र

विश्वविद्यालय के नियमानुसार हर 4 क्रेडिट कोर्स के लिए एक प्रश्नपत्र होगा और 6 और 8 क्रेडिट कोर्स के लिए दो प्रश्नपत्र होंगे ।

सत्रीय कार्य का उद्देश्य

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामाग्री को कितना पढ़ा – समझना है और उसका विवेचन – विश्लेषण व मूल्यांकन करने की कितनी क्षमता अर्जित की हैं।

सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका कैसे तैयार करेंगे

1. उत्तर के लिए फुलस्केप आकार के कागज का ही इस्तेमाल करें।
2. उत्तर स्पष्ट और साफ़ लिखे।
3. निर्देशों को पढ़कर उसी के अनुसार उत्तर दे।
4. पूछे गए प्रश्नों के आधार पर उत्तर दे, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर से इतर कुछ ना लिखें।

उत्तर पुस्तिका के आवरण पृष्ठ यानि पृष्ठ संख्या - 1 का नमूना नीचे दिया जा रहा हैं -

अनुक्रमांक .....

नाम .....

पता .....

कार्यक्रम का नाम .....

पाठ्यक्रम शीर्षक .....

सत्रीय कार्य कोड .....

अध्ययन केंद्र का नाम तथा कोड .....

हस्ताक्षर .....

दिनांक .....

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जमा करने की अंतिम तिथि का विवरण

क्रम सं	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	खंड सं	क्रेडिट	अंतिम तिथि	दिन
1.	बी.ए.एच.डी.सी.सी – 1	हिन्दी साहित्य का इतिहास -1	1,2,3	06	28 फरवरी 2021	रविवार
2.	बी.ए.एच.डी.सी.सी – 1	हिन्दी साहित्य का इतिहास -1	4,5		28 फरवरी 2021	रविवार
3.	बी.ए.एच.डी.सी.सी – 2	भक्तिकालीन हिन्दी कविता	1,2	06	28 फरवरी 2021	रविवार
4.	बी.ए.एच.डी.सी.सी – 2	भक्तिकालीन हिन्दी कविता	3,4		28 फरवरी 2021	रविवार

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिन्दी)

प्रथम वर्ष पर्याय (Semester) – 1

सत्रीय कार्य – 1

सत्र – जलाई 2020

पाठ्यक्रम का नाम : हिन्दी साहित्य का इतिहास (भाग) – 1

पाठ्यक्रम कोड : बी.ए.एच.डी.सी.सी – 1

खंड – (01,02,03 पर आधारित) **पूर्णांक – 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें।]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। **(1x10=10)**

क. किसने सर्वप्रथम हिंदी साहित्य का इतिहास लिखा था ?
ख. ग्रियर्सन ने आदिकाल को क्या कहा है ?
ग. आदिकाल को सिद्ध सामंत काल किसने कहा हैं ?
घ. प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना किस वर्ष हुई ?
ङ. किस काल को पूर्व मध्यकाल भी कहते हैं ?
च. किसे अपभ्रंश साहित्य का पहला कवि माना जाता है ?
छ. जैन धर्म के प्रवर्तक कौन थे ?
ज. ''हुमांयू नामा '' की रचना किसने की?
झ. विद्यापति के पदों पर किसका प्रभाव देखने को मिलता है ?
ञ. खुमाण रासो के रचयिता कौन हैं ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। **(5x4=20)**

क. आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा किए गए काल विभाजन को अपने शब्दों मे लिखिए।
ख. हिन्दी साहित्य के काल विभाजन को तालिका के साथ प्रस्तुत करें।
ग. आचार्य शुक्ल ने किन 12 पुस्तकों के आधार पर आदिकाल का विवेचन तथा नामकरण किया हैं ?
घ. चौदहवीं शदी के मध्य से सत्रहवीं सदी के मध्य तक के कालखंड को किस काल के नाम से जाना जाता है और क्यों ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। **(10x4=40)**

क. आदिकाल की राजनीतिक परिस्थियों को अपने शब्दों में लिखिए।
ख. आदिकालीन साहित्य एवं भाषा को अपने शब्दों में लिखिए।
ग. पृथ्वीराज रासो पर एक लेख लिखिए।
घ. भक्तिकाल में भक्ति के नौ प्रकार के साधन के रूप की व्याख्या कीजिये।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। **(15x2=30)**

क. भक्तिकाल की सामाजिक परिस्थितियों की व्याख्या कीजिये।
ख. ज्ञानाश्री भक्ति काव्य पर संक्षिप्त चर्चा करें।

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिन्दी)

प्रथम वर्ष पर्याय (Semester) – 1

सत्रीय कार्य –2

सत्र – जलाई 2020

पाठ्यक्रम का नाम : हिन्दी साहित्य का इतिहास (भाग) – 1

पाठ्यक्रम कोड : बी.ए.एच.डी.सी.सी – 1

खंड – (04,05 पर आधारित) **पूर्णांक – 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें।]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। **(1x10=10)**

क. किनही पाँच रीतिबद्ध कवि के नाम लिखिए।
ख. बिहारी के दोहों का संकलन किस ग्रन्थ में हुआ है ?
ग. भाषा भूषण के रचयिता का नाम क्या है ?
घ. रामचंद्रिका काव्य के रचनाकार कौन हैं ?
ङ. शुक्ल जी ने गोस्वामी जी द्वारा रचित कितने ग्रंथों की चर्चा की है ?
च. सूरदास के जीवन और उनकी कृतियों की जानकारी किस ग्रन्थ से मिलती है ?
छ. सुदामा चरित किसने लिखा हैं ?
ज. अद्वैतवाद के अनुसार कौन सत्या हैं ?
झ. शंकराचार्य के सिद्धान्त का क्या नाम हैं ?
ञ. किस शाखा को संत काव्य शाखा भी कहते हैं ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। **(5x4=20)**

क. धर्म के क्षेत्र में ईश्वर की प्राप्ति के तीन मार्गों को समझाइए।
ख. अद्वैतवाद से आप क्या समझते हैं ?
ग. भक्ति शब्द को समझाइए।
घ. भक्ति काल की काव्य भाषा कैसी थी ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। **(10x4=40)**

क. भागवत पुराण में प्रस्तुत भक्ति के नौ साधनों को क्रम बद्ध तरीके से समझाइए।
ख. दस रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त कवि और उनके रचनाओं को लिखिए।
ग. रीतिकाल की भक्ति, भक्तिकाल की भक्ति से कितनी भिन्न हैं ?
घ. रीतिसिद्ध कवियों की काव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। **(15x2=30)**

क. भक्ति साहित्य का उदय सबसे पहले दक्षिण में हुआ। क्यूँ और कैसे ?
ख. रीतिकाल की धार्मिक परिस्थितियों पर चर्चा कीजिये।

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिन्दी)

प्रथम वर्ष पर्याय (Semester) – 1

सत्रीय कार्य – 1

सत्र – जलाई 2020

पाठ्यक्रम का नाम : भक्तिकालीन हिन्दी कविता

पाठ्यक्रम कोड : बी.ए.एच.डी.सी.सी – 2

खंड – (01,02 पर आधारित) **पूर्णांक – 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें।]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। **(1x10=10)**

क. अद्वैतवाद के संस्थापक कौन थे?
ख. कबीर ने किस भाषा में काव्य रचना की?
ग. भक्ति साहित्य का उदय सबसे पहले कहाँ हुआ था?
घ. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार भक्ति काल की समय सीमा क्या है?
ङ. "अगर इस्लाम नहीं आया होता तो भी साहित्य का बारह आना वैसा ही होता जैसा आज है" यह कथन किसका है?
च. कवि जायसी की 'पद्मावत' में हीरामन तोता किसका प्रतीक है?
छ. भागवत पुराण में भक्ति के कितने प्रकार के साधनों का उल्लेख है
ज. सगुण भक्ति का मुख्य स्रोत कौन सा काव्य है?
झ. सूफी कवियों के प्रबंध काव्य की भाषा क्या है?
ञ. कालिदास के किस ग्रंथ में रामकथा का वर्णन हुआ है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। **(5x4=20)**

क. भक्ति क्या हैं ?
ख. विद्वानों ने भक्ति का उद्गम किस से माना हैं और क्यों ?
ग. जार्ज ग्रियर्सन कौन हैं ?
घ. निर्गुण काव्य धारा मे रहस्यवाद क्या हैं?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। **(10x4=40)**

क. कबीर के जीवन परिचय को अपने शब्दों में लिखिए।
ख. नारी के संबंध मे कबीर के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिये।
ग. प्रेम तत्व से क्या अर्थ है? स्पष्ट कीजिये।
घ. कबीर के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं ?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। **(15x2=30)**

क. भक्ति काव्य की सामान्य विशेषताओं को लिखिए।
ख. जकबीर के भक्ति भावना पर एक लेख लिखिए।

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिन्दी)

प्रथम वर्ष पर्याय (Semester) – 1

सत्रीय कार्य –2

सत्र – जलाई 2020

पाठ्यक्रम का नाम : भक्तिकालीन हिन्दी कविता

पाठ्यक्रम कोड : बी.ए.एच.डी.सी.सी – 2

खंड – (03,04 पर आधारित) **पूर्णांक – 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें।]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। **(1x10=10)**

क. भक्ति का वह कौन सा मूल तत्व है ,जो निर्गुण- सगुण की भक्ति में समान रूप से पाया जाता है?
ख. जायसी ने पद्मावती के रूप सौंदर्य को क्या कहा है ?
ग. ' पदमावत ' की नायिका पद्मावती है, नायक कौन है?
घ. पुष्टिमार्ग ' में ' पुष्टि ' का अर्थ क्या है?
ङ. तुलसीदास ने ब्रजभाषा में कौन सी रचना लिखी है ?
च. किस आलोचक ने तुलसी दास को "बुद्धदेव के बाद सबसे बड़ा लोकनायक" कहा है?
छ. तुलसीदास के बचपन का नाम क्या था?
ज. तुलसीदास द्वारा रचित ' पार्वती- मंगल ' का आधार कालिदास की कौन सी रचना है?
झ. तुलसीदास की भक्ति में किसकी प्रधानता है ?
ञ. जायसी का पूरा नाम क्या हैं ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। **(5x4=20)**

क. जायसी की प्रमुख रचनाएँ कौन सी हैं?
ख. सूफी मत के आधार पर साधना की अवस्थाएँ क्या हैं ?
ग. राजा रत्न सेन के बारे मे लिखिए।
घ. तुलसीदास की प्रमुख रचनाएँ कौन सी हैं?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। **(10x4=40)**

क. जायसी का जीवन परिचय दीजिये।
ख. जायसी के रहस्यवाद को समझाइए।
ग. तुलसी पूर्व रामकाव्य परंपरा पर चर्चा कीजिये।
घ. भरत महिमा की पृष्ठभूमि को अपने शब्दों मे लिखिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। **(15x2=30)**

क. पद्मावत के वियोग वर्णन पर विस्तार से चर्चा कीजिये।
ख. तुलसीदास का जीवन परिचय देते हुये उनकी काव्य की विशेषताओं पर चर्चा करें।